FOR BLIS STUDENTS

Course : - Bachelor of Library and Information Science (BLIS)

Paper : - Paper-II

Prepared By: - Aftab Ahmad, Assistant Librarian, Faculty Library Science

School of Library and Information Sciences, Nalanda Open University

Topic: LEADERSHIP

CONTENTS

1. **Meaning And Definition**
2. **Importance Of Leadership In Libraries**
3. **Quality Of Leadership**

Scanned with CamScanner

नेतृत्व (Leadership) :

किसी भी संस्था में विभिन्न प्रकार का कार्य करने के लिए विभिन्न कर्मचारी होते हैं तथा प्रत्येक कर्मचारी किसी न किसी तरह से एक दूसरे को प्रभावित करते हैं किसी भी कार्य की सफलता के लिए आवश्यक होता है कि उस कार्य का संचालन करने वाला गुणों से सम्पन्न हों।

अर्थ एवं परिभाषा (Meaning and Definition) : नेतृत्व का अर्थ व्यक्ति के विशेष गुण से है जो अन्य व्यक्तियों को उसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित करता है तथा उनकी भावनाओं एवं इच्छाओं को ध्यान में रखता है। एक पुस्तकालयाध्यक्ष अथवा प्रबन्धक में कुशल नेतृत्व का गुण होना बहुत आवश्यक है क्योंकि वह पुस्तकालय अथवा संस्था के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने अधीन कार्य कर रहे कर्मचारियों से कार्य कराने की कला नेतृत्व कहलाती है। कर्मचारियों पर मार्गदर्शन

Scanned with CamScanner

कितना प्रभावशाली होता है यह उसकी नेतृत्व कुशलता पर निर्भर है। नेतृत्व क्षमता के अभाव में कितने ही पुस्तकालयाध्यक्ष अपने पुस्तकालय के कर्मचारियों को अपने अनुसरण के लिए अभिप्रेरित नहीं कर सकते। पीटर एफ0 ड्रकर के अनुसार, "अकुशल नेतृत्व के कारण कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान असफल हो जाते हैं किसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सम्प्रेषण के माध्यम द्वारा कर्मचारियों को प्रभावित कर सकने की योग्यता नेतृत्व कहलाती है।" नेतृत्व एक ऐसा गुण है जिसके द्वारा एक व्यक्ति उन व्यक्तियों को किसी निर्धारित सामूहिक उद्देश्य के प्रति निष्ठावान बनाये रखता है तथा उन्हें निश्चित ढंग से कार्य करने को प्रेरित करके अधिक से अधिक कुशलतापूर्वक सामूहिक उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। पुस्तकालय के नेता को पुस्तकालयाध्यक्ष कहते हैं जो पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों पर नियन्त्रण रखता है, क्योंकि पुस्तकालय के संचालन एवं संगठन के लिए पुस्तकालयाध्यक्ष उत्तरदायी होता है। वह पुस्तकालय के कर्मचारियों के कार्यो का निरीक्षण करता है तथा उनकी गतिविधियों और कार्य कलापों को संगठित करते हुए पुस्तकालय के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कार्य करता है।

कून्ट्ज तथा ओ डोनेल के मतानुसार "नेतृत्व को किसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सम्प्रेषण के माध्यम द्वारा व्यक्तियों को प्रभावित कर सकने की योग्यता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।"

"Leadership may be defined as the ability to exert interpersonal influence by means of communication towards the Achievement of goal."

कोथ डेविस (Keith Davis) के अनुसार, "नेतृत्व दूसरे व्यक्तियों को पूर्व निर्धारित उद्देश्यों को उत्साह के साथ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने की योग्यता है, यह ऐसा मानवीय तत्व है जो एक समूह को एक सूत्र में बॉधे रखता है और इसे अपने उद्देश्यों में अभिप्रेरित करता हो।"

"Leadership is the ability to persuade others to seek defined objectives enthusiastically. It is the human factor which binds a group together and motives it towards foals."

जार्ज आर0 टैरी (Gearge R. Terry) के शब्दों में "नेतृत्व पारस्परिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु व्यक्तियों को स्वैच्छिक प्रयास के लिए प्रेरित करने की योग्यता है।"

"Leadership is the ability of influencing people to strive willingly for mutual objectives."

चेस्टर आई0 बर्नाड (Chester I Barnard) के अनुसार, "नेतृत्व से अभिप्राय किसी व्यक्ति के व्यवहार के उस गुण से है जिसके द्वारा वह अन्य व्यक्तियों या उनकी क्रियाओं को संगठित प्रयास के रूप में मार्गदर्शन करता है।"

"Leadership is the quality of the behaviour of individuals by which they guide people or their activities in organized efforts."

पुस्तकालय में नेतृत्व का महत्व (Importance of Leadership in Libraries) : नेतृत्व मनुष्य के लक्ष्यों को ऊँचा उठा देता है, उनके काम के स्तर को ऊँचा उठाता है और उनके व्यक्तित्व को आगे बढ़ाता है। कुशल नेतृत्व कर्मचारियों के अभिप्रेरण की आधार शिला है तथा उनमें आत्मविश्वास जाग्रत करता है तथा पुस्तकालय अथवा संस्था के प्रति वफादारी की भावना पैदा करता है। पुस्तकालय में नेतृत्व के बारे में जो कुछ भी कहा जाए कम ही है किसी भी सामूहिक प्रयास में चाहे वह कोई व्यावसायिक संगठन से सम्बन्धित है या गैर व्यावसायिक संगठन से नेतृत्व का बहुत महत्व है। इसी प्रकार पुस्तकालय में नेतृत्व की जिम्मेदारी पुस्तकालयाध्यक्ष पर होती है। ड्रकर ने सही कहा है, कि "एक प्रभावपूर्ण नेता वह है जो साधारण लोगों से असाधारण काम करा सकता है तथा जो आम लोगों से अद्भुत काम करा सकता है।" पुस्तकालय में नेतृत्व का महत्व निम्न प्रकार बताया गया है :

Scanned with CamScanner

(i) **कर्मचारियों का मार्ग प्रशस्त करना (Guidence of the Staff) :** पुस्तकालयाध्यक्ष किसी योजना को लागू करने के लिए अन्तिम रूप रेखा तैयार करता है तथा उन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अपने कर्मचारियों को लगातार अभिप्रेरित करता रहता है अपने कर्मचारियों में पुस्तकालय के प्रति विस्वास जागृत करता हैं। एक कुशल नेतृत्व पुस्तकालय में कार्यरत सभी कर्मचारियों की निष्ठा को बनाये रखता है तथा उनसे पुस्तकालय कार्य कराने के लिए उन्हें प्रेरणा प्रदान करता है ताकि वे स्वयं की इच्छा से अधिकतम कार्य करने को तैयार रहें।

(ii) कर्मचारियों में विश्वास पैदा करना (Creating Confidence in the Staff): पुस्तकालयाध्यक्ष निर्देश के द्वारा कर्मचारियों में पुस्तकालय के प्रति विश्वास पैदा करता है तथा उनमें आत्मविश्वास के प्रति विश्वास जाग्रत करता है, उन्हें उनकी क्षमताओं तथा योग्यताओं को प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करता है। वह अपने कर्मचारियों को समय–समय पर मनोवैज्ञानिक एवं आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति आदि में भी सहयोग देता है।

(iii) **मनोबल बढ़ाना (Building Morale) :** पुस्तकालय में अच्छी सेवा देने के लिए कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाना पुस्तकालयाध्यक्ष का कर्तव्य होता है। मनोबल द्वारा ही कर्मचारी अपने पुस्तकालय के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आपसी सहयोग के द्वारा कार्य कर सकते हैं।

(iv) **समझाने की क्षमता बढ़ाना (Use of Persuation) :** कर्मचारियों को कोई भी बात समझाने के लिए यह जरूरी है कि पुस्तकालयाध्यक्ष सीधी, सरल एवं सहज भाषा का प्रयोग करें जिससे कर्मचारी अच्छी तरह समझ सके।

(v) **आपसी सहयोग और अनुशासन (Voluntary Co-operation and Discipline) :** अनुशासन वह शक्ति है जो किसी भी कर्मचारी अथवा समूह को नियम, नियन्त्रण एवं कार्य विधियों का पालन करने के लिए प्रेरित करती है। पुस्तकालयाध्यक्ष को अपने कर्मचारियों के बीच आपसी सहयोग तथा अनुशासन बनाये रखना चाहिए।

(vi) **जोखिम ध्यान में रखना (Calculated Risks) :** पुस्तकालयाध्यक्ष में ऐसे कुशल नेतृत्व के गुण होने चाहिए जिससे संस्था में किसी प्रकार का जोखिम न हो।

नेतृत्व के गुण (Quality of Leadership) :

नेतृत्व करना आसान कार्य नहीं है एक नेता को नेतृत्व करने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। नेता न ही पैदा होते हैं और न ही बंशानुगत होते हैं बल्कि एक नेता बनने के लिए व्यक्ति में कुछ विशेष गुण होने चाहिए जैसे–शारीरिक गुण (Physical Quality), बौद्धिक गुण (Intellectual Quality), मनोवैज्ञानिक गुण (Psycological Quality) परन्तु इन सभी गुणों का एक व्यक्ति में होना सम्भव नहीं है लेकिन जितने अधिक गुण एक व्यक्ति में होगें वह उतना ही श्रेष्ठ माना जाता है। इन सबमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति का निरन्तर अभ्यास एवं प्रशिक्षण को उसके नेता बनने में ज्यादा सहायक होता हैं और एक अच्छे एवं प्रभावशाली नेता में निम्नलिखित गुण होने चाहिए।

1. कुशल नेतृत्व अभिप्रेरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। एक अच्छे अभिप्रेरण से व्यक्ति स्वयं ही कार्य करने को प्रेरित होते हैं जिससे उसके अनुयायी तथा अन्य प्रेरक एवं अभिप्रेरक हो सकें।
2. एक अच्छे नेता का सर्वाधिक महत्व का गुण उसका साहस (Courage) होता है। क्योंकि नेताओं को अनेक परेशानियों से होकर गुजरना पड़ता है। इसलिए नेता में इतना साहस तथा दृढ़ता होनी चाहिए कि वह अपने निर्णय पर डटा रहे तथा नैतिक प्रभाव से भी अपने अधीनस्थों को उसे मानने के लिए विवश होना पड़े।

Scanned with CamScanner

3. एक अच्छा नेता अपने प्रभावी संप्रेषण के द्वारा अपने अधीनस्थों में टीम भावना पैदा कर सकता है और उनमें समन्वय स्थापित करके अपनी संस्था के लक्ष्यों की प्राप्ति करने में सफल हो सकता है, इसीलिए एक अच्छे नेता में प्रभावकारी संप्रेषण के गुणों का होना अत्यन्त आवश्यक है।

4. एक नेता में शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए तभी वह अपने अधीनस्थों एवं अनुयायियों में उत्साह एवं लगन उत्पन्न कर सकता है।

5. एक अच्छे नेता में अधिकारों के साथ–साथ उत्तरदायित्व लेने की भी तत्परता होनी चाहिए।

6. एक नेता में दूरदर्शिता होनी चाहिए उसमें उच्चकोटि की कल्पना शक्ति तथा परिस्थितियों का उचित पूर्वानुमान लगाने का गुण होना अत्यन्त आवश्यक है।

7. नेता में प्रतिभा तथा योग्यता के साथ–साथ कुशाग्र बुद्धि, समस्याओं के विश्लेषण की शक्ति, तकनीकी कुशलता तथा शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए।

8. एक नेता में सृजनात्मक कार्यो को आरम्भ करने की योग्यता, योजनाएं बनाना तथा उन पर कार्य कराना तथा निर्णय करने की योग्यता होनी चाहिए।

अतः एक नेता को मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए क्योंकि प्रबन्ध एक मानवीय सम्बन्ध है। इसीलिए कर्मचारियों से कार्य लेते समय मानवीय दृष्टिकोण सदा सक्षम होना चाहिए। अपने अधीनस्थों का हार्दिक सहयोग प्राप्त करने के लिए उनके प्रति सहानुभूति पूर्ण व्यवहार करने तथा उनकी समस्याओं को दूर करने आदि गुण होने अति आवश्यक हैं। इन गुणों के आधार पर हम कह सकते हैं कि यदि एक पुस्तकालयाध्यक्ष अथवा प्रबन्धक में जो पुस्तकालय अथवा संगठन के कर्मचारियों का नेतृत्व और मार्गदर्शन करता है, उपरोक्त गुण होगें तो निःसन्देह वह अपने पुस्तकालय को प्रगति के मार्ग पर ले जाने तथा उसके लक्ष्यों की पूर्ति में सफल होगा।

Scanned with CamScanner